एस.आई. भर्ती को लेकर स्थिति स्पष्ट करे राज्य सरकार : हाईकोर्ट

- **अदालत ने कहा है कि गत 18 नवंबर को भर्ती पर दिए यथास्थिति के आदेश की पालना होनी चाहिए**
- **'यदि ट्रेनी एसआई को फील्ड पोस्टिंग दी गई तो वह अवमानना की श्रेणी में माना जाएगा'**

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक से जुड़े मामले में राज्य सरकार को जवाब पेश करने के लिए दो दिन का समय देते हुए भर्ती को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। अदालत ने कहा है कि गत 18 नवंबर को भर्ती पर दिए यथास्थिति के आदेश की पालना होनी चाहिए और यदि ट्रेनी एसआई को फील्ड पोस्टिंग दी गई तो वह अवमानना की श्रेणी में माना जाएगा। अदालत ने राज्य सरकार को हिदायत दी है कि वह यथास्थिति आदेश को बरकरार रखे और भर्ती को लेकर कुछ भी नहीं करें, वरना अदालत इसे गंभीरता से लेगी। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश कैलाश चन्द्र शर्मा व अन्य की ओर से दायर याचिका व डीजीपी की ओर से गत 31 दिसंबर को आदेश जारी कर ट्रेनी एसआई को प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के लिए जिले आवंटित करने के आदेश के खिलाफ पेश प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद से कहा कि जब 18 नवंबर को भर्ती पर यथास्थिति दी गई तो फिर ट्रेनी एसआई को फील्ड पोस्टिंग कैसे दी जा सकती है। इस पर महाधिवक्ता ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया पूर्व में ही पूरी हो चुकी है और अब ट्रेनी एसआई को आरपीए ट्रेनिंग के बाद फील्ड ट्रेनिंग के लिए भेजा जा रहा है। यह भी मूल ट्रेनिंग का ही हिस्सा है। एजी ने कहा कि करीब 800 ट्रेनी हैं, इसमें से कुछ गलत हो सकते हैं, लेकिन इस आधार पर सभी को ट्रेनिंग से नहीं रोक सकते। इस पर अदालत ने कहा कि 22 नवंबर को उन्हें भर्ती के संबंध में निर्णय लेने के लिए दो सप्ताह का समय दिया था, लेकिन अब छह सप्ताह बाद भी राज्य सरकार का जवाब नहीं आया है। इसके जवाब में महाधिवक्ता ने कहा कि भर्ती को लेकर बडे स्तर पर विचार विमर्श चल रहा है, और जवाब के लिए समय दिया जाए। अदालत ने राज्य सरकार को दो दिन का समय देते हुए सुनवाई 9 जनवरी को तय की है। सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी कहा कि महाधिवक्ता जब भर्ती को रद्द करने की राय दे चुके हैं तो मामले में पैरवी कैसे कर सकते हैं। वहीं प्रार्थियों के अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने कहा कि पुलिस विभाग ने भर्ती पर यथास्थिति आदेश के बाद भी 31 दिसंबर को आदेश जारी कर ट्रेनी एसआई को प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के लिए जिला आवंटित करने के लिए कहा है। यह आदेश अदालती अवमानना है। मूल याचिका में पूरी भर्ती को ही रद्द करने का आग्रह किया है। सरकार ने अदालत के समय देने के बाद भी भर्ती को लेकर अपनी स्थिति नहीं बताई और ट्रेनी एसआई को फील्ड पोस्टिंग में भेज रहे हैं जो गलत है।

मौसम विभाग ने सोमवार को जयपुर सहित प्रदेश के कई जिलों में कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया था जिसका जयपुर में भारी असर दिखाई दिया। कोहरे के कारण वाहनों की लाइट जलाने के बाद भी विजिबिलिटी बहुत कम होने से वाहन रेंग-रेंग कर चलते नज़र आये।
फ़ोटो : दिनेश भारद्वाज

ज्ञान का सम्वर्धन करती है मथुरा लीला : मृदुल कृष्ण

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को विद्याधर नगर में सपत्नीक सुप्रसिद्ध कथा वाचक मृदुल कृष्ण महाराज की भागवत कथा का श्रवण किया।

जयपुर। गिर्राज संघ परिवार विश्वकर्मा जयपुर के 26 वें वार्षिकोत्सव पर तक विद्याधर नगर सेक्टर-7 स्थित अग्रसेन हॉस्पीटल के पीछे स्थित प्रांगण में चल रही 108 विशाल श्रीमद भागवत ज्ञानयज्ञ के छठवें दिन सोमवार को व्यासपीठ से आचार्य गोस्वामी मृदुल कृष्ण महाराज ने कहा कि प्रभु श्री कृष्ण की मथुरा लीला जीव के हृदयान्धकार को नष्ट कर ज्ञान का विकास करती है यानि यह कहा जाए कि मथुरा लीला ज्ञान का संवर्धन करती है।

जिस ज्ञान के माध्यम से जीव पूर्ण ब्रम्हा श्रीकृष्ण से साक्षात्कार करता है। मथुरा लीला प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि परमात्मा श्रीकृष्ण ने अपनी मथुरा लीला में अज्ञान रूपी कंस का उद्धार कर ज्ञान का सम्बर्धन किया। यहाँ तक कि साक्षात् बृहस्पति के शिष्य उद्धव जी के ज्ञान को प्रभु ने गोपियों के द्वारा भक्ति का चादर उड़ाकर परिपूर्ण किया। स्वयं परमात्मा श्रीकृष्ण ने अपनी मथुरा लीला में ही गुरू सान्दीपनि के सान्निध्य में चैसठ दिनों तक रहकर ज्ञान प्राप्त किया। अतः प्रभु की मथुरा लीला श्रवण करने मात्र से भक्त के हृदय में ज्ञान का उदय होता है। उन्होंने बताया कि यदि बिद्यार्थी अपने अध्ययन काल में यदि प्रभु की मथुरा लीला को श्रवण करता है तो निश्चित रूप से विद्या के क्षेत्र में उसे अभूतपूर्व सफलता प्राप्त होती है। विशेष महोत्सव के रूप में श्री रूक्मिणी विवाह महोत्सव बहुत ही धूम-धाम से मनाया गया। इस प्रसंग पर विस्तार से व्याख्यान देते हुए आचार्य श्री ने कहा कि श्री रूक्मिणी जी ने अपने जीवन में किएहुए सत्कार का फल केवल प्रभु को ही माँगा। जिसको कि प्रभु श्री द्वारिकाधीश ने स्वयं रूक्मिणी के कुणिनपुर जाकर रूक्मिणी को प्रधान पटरानी बनाकर पूर्ण किया। यह पवित्र प्रसंग हम सबको शिक्षा प्रदान करता है हमें जीवन में किये हुए सत्कार के फल के रूप में प्रभु की ही आचना करनी चाहिए। इस अवसर पर श्री गोविन्द देवजी मंदिर के महंत अंजन कुमार गोस्वामी ने भी कथा का श्रवण किया और सम्मान स्वरूप आचार्य गोस्वामी मृदुल कृष्ण महाराज को चित्र भेंट किया। मुख्य यजमान मदन मोहन सोमानी व वरुण सोमानी ने बताया कि महोत्सव के तहत मंगलवार को महोत्सव के अंतिम दिन सुदामा चरित्र व नवयोगेष्वर संवाद के बाद पुष्प होली महोत्सव मनाया जाएगा।

कानूनों का प्रदेश में हो रहा प्रभावी क्रियान्वयन : भजनलाल शर्मा

- **'नए आपराधिक कानून शीघ्र एवं सुलभ न्याय प्रदान करने में निभा रहे महत्वपूर्ण भूमिका'**

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश में लागू तीन नवीन कानूनों में सजा की तुलना में न्याय पर अधिक जोर दिया गया है। नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम हमारे संविधान की मूल भावना के अनुसार बनाए गए हैं। ये कानून आमजन को शीघ्र एवं सुलभ न्याय प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री के कहा कि नवीन आपराधिक विधि में आपराधिक मामले के महत्वपूर्ण चरणों के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई है जिससे पीड़ित को त्वरित न्याय मिल रहा है। साथ ही पीड़ित को अपने साथ हुए अपराध की रिपोर्ट संबंधित क्षेत्र के थाने में दर्ज कराने की बाध्यता से मुक्ति मिली है।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नवीन आपराधिक कानूनों के राजस्थान में क्रियान्वयन तथा प्रचार-प्रसार के संबंध में गृह विभाग की उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा राज्य सरकार प्रदेश में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण करने तथा जनता को भयमुक्त माहौल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा नए कानूनों को लागू करने में आवश्यक संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए कानूनों का प्रदेश में प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जा रहा है और इनके प्रचार-प्रसार में राजस्थान देश का अग्रणी राज्य है। आमजन को इनकी जानकारी देने के लिए राज्य सरकार कई कदम उठा रही है। राज्य की 11 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं के माध्यम से नए कानूनों की जानकारी दी गई है। साथ ही, प्रदेश में महिला एवं बाल सुरक्षा संबंधी प्रावधानों के बारे में पुस्तकें तैयार करवाकर वितरित की गई है।

गंगापुर सिटी 'जिले' के दर्जे को खत्म करने के खिलाफ याचिका पेश

जयपुर। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की ओर से बनाए जिले गंगापुर सिटी के जिले का दर्जा रद्द करने के खिलाफ हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। जिस पर हाईकोर्ट की खंडपीठ आगामी दिनों में सुनवाई करेगी। कांग्रेस के नेता रामकेश मीणा व अन्य की ओर से दायर इस जनहित याचिका में मुख्य सचिव सहित अन्य को पक्षकार बनाया गया है।

याचिका में कहा गया है कि गंगापुर सिटी को जिले का दर्जा निर्धारित मापदंड के तहत दिया गया था। प्रदेश में सरकार बदलने के बाद जिलों को लेकर राजनीति शुरु हुई और अब राजनीतिक द्वेषता के चलते ही कुछ जिलों का दर्जा समाप्त कर दिया गया है। गंगापुर सिटी से जिला का दर्जा समाप्त करने के पीछे भी सरकार की राजनीतिक द्वेषता ही है। याचिका में कहा गया कि सरकार ने करीब डेढ साल पहले गंगापुर सिटी को जिला बनाया था और उसके बाद यहां कई प्रशासनिक नियुक्तियां हो चुकी हैं। वहीं विभाग भी बतौर जिला स्तर पर काम कर रहे हैं। कमेटी ने लोगों से आपत्तियां मांगने के बाद इसे जिला घोषित किया था। ऐसे में अब महज राजनीतिक द्वेषता के चलते इसे जिला निरस्त करना गलत है। गौरतलब है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने अगस्त, 2023 में 3 नए संभाग और 19 जिलों का गठन किया था।

जयपुर के राजापार्क गुरूद्वारे में गुरू गोबिन्द सिंह जयंती पर विशेष रूप से सजाया गया और विशेष पूजा की गई। वहीं सुबह से ही अटूट लंगर बरताया गया।

परंपरागत जलस्त्रोतों का जीर्णोद्धार कर अधिक से अधिक जल का संचय करें : दिलावर

- **परंपरा गत जल स्त्रोतों बावड़ी, तालाब, कुंड, खड़ीन, जोहड़ आदि का पुनः सर्वे कर चिन्हित करने के कार्य को अभियान के रूप में लेने के निर्देश**

जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलवर ने कहा कि परंपरागत जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार कर अधिक से अधिक जल का संचय करें।

दिलावर आज सोमवार को शिक्षा संकुल में आयोजित जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि परंपरा गत जल स्त्रोतों बावड़ी, तालाब, कुंड, खड़ीन, जोहड़ आदि का पुनः सर्वे कर चिन्हित करने के कार्य को अभियान के रुप में लें। साथ ही इनमें पानी की आवक के रास्ते बनाने, नियमित साफ सफाई करने जैसे कार्य इसी वित्तीय वर्ष में करने के निर्देश दिए।

विभाग के कार्यों के संचालन के लिए बनाई गई कमेटियों को क्रियाशील करने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने डिग्गी-मालपुरा में तालाब की डीपीआर शीघ्र बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि इसके अलावा भी बड़े गड्ढों को तालाब के रूप में परिवर्तित किया जाय ताकि जल का ज्यादा से ज्यादा संग्रहण किया जा सके।नदियों के किनारे भूमि कटाव को भी रोका जाय।

उन्होंने विभाग द्वारा बनाये गए 75 अमृत सरोवर, 863 एनीकट की विस्तार से जानकारी ली।उन्होंने वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के जरिए कृषि उत्पादन बढ़ाने ,होर्टीकल्चर गतिविधियों के माध्यम से प्लांटेशन करने फलदार पौधे लगाने, घास उत्पादन बढ़ाने, ड्रिप सिस्टम लगाने एवं आमजन से सजीव सम्पर्क बनाये रखने के लिए अधिकारियों को समय-समय पर गांवों में रात्रि विश्राम करने के निर्देश दिए।

इस बैठक में विभाग के आयुक्त श्रीराम मीना एवं अधिकारी उपस्थित थे।

दिलावर ने विलायती बबूल के बढ़ते हुए फैलाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा की इसको समूल नष्ट करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर कार्ययोजना अतिशीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि इसी वित्त वर्ष में लक्ष्य लेकर प्रदेश के 220 एनीकेट और 50 बावड़ियों का जीणोद्धार करवाया जाए। और 31 मार्च तक इस को पूर्ण किया जाए।

28 फरवरी तक बनेंगे वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम शिक्षा मंत्री श्री दिलावर ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में आपके प्रोजेक्ट में 1885 पंचायतें है। इन सभी पंचायतों के भवनों एवं इनके अंतर्गत आने वाले सभी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में 28 फरवरी तक वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम रिचिंग सॉफ्ट के साथ बनाए जाए।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने आज यहां वाटरशेड के अधिकारियों की बैठक में नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अधिकारी आवश्यक रूप से गांव में रात्रि विश्राम कर ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत हो। दिलावर ने कहा कि पूर्व में भी इस बाबत निर्देश जारी कर दिए गए थे किंतु लगता है अभी तक अधिकारियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया है। मंत्री ने नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि आपके पास सरकारी वाहन है। सुविधाएं हैं, फिर भी आप ग्रामीण क्षेत्रों में फील्ड में प्रवास नहीं कर रहे हैं। तो फिर गाड़ी की क्या आवश्यकता है। क्यों ना आप से गाड़ी वापस ले ली जाए। मंत्री ने कहा कि अगली बैठक में जब हम मिले तो मुझे फील्ड की पूरी रिपोर्ट चाहिए।

सभी अंग्रेजी मीडियम स्कूल बंद नहीं होंगे : जोगाराम पटेल

जयपुर। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा है कि कांग्रेस राज में खुले सभी अंग्रेजी मीडियम स्कूलों को बंद नहीं किया जाएगा। समीक्षा के बाद जो अंग्रेजी मीडियम स्कूल सही है। उनको बरकरार रखेंगे।

जोगाराम पटेल ने कहा कि अगर अंग्रेजी स्कूल जनहित के हैं, उनकी केवल समीक्षा होगी। कांग्रेस को चिंता नहीं करनी चाहिए। अंग्रेजी माध्यम का स्कूल सीरियसली अंग्रेजी माध्यम का हो। उसमें अंग्रेजी विषय के टीचर हों। ऐसी शिकायतें आई थी कि हिंदी मीडियम के स्कूल पर केवल अंग्रेजी माध्यम के स्कूल का बोर्ड लगा दिया। उन स्कूलों में न अंग्रेजी शिक्षकों की व्यवस्था की, न अंग्रेजी मीडियम से पढ़ाई हुई। अंग्रेजी स्कूलों की समीक्षा की जाएगी। जो जरूरी होगा उनको रखा जाएगा।

जयपुर फैशन एक्सपो 2025 का पोस्टर विमोचन

- **जयपुर गारमेंट क्लब की ओर से चन्दन वन सीतापुरा में 10-11 जनवरी को जयपुर फैशन एक्सपो 2025 आयोजित किया जायेगा**

जयपुर। जयपुर गारमेंट क्लब की ओर से चन्दन वन सीतापूरा में 10-11 जनवरी को जयपुर फैशन एक्सपो 2025 इंटरनैक्शनल फैशन के कलर फुल ड्रेस के साथ आयोजित किया जायेगा। मीडिया प्रभारी मोहित टेलर ने बताया इस एक्सहिबिशन में ब्लैक एंड वाइट थीम और पेस्टल कलर चार्ट के साथ गोटा पत्ती और सिक्वेंस स्ट्रिप प्रिंट, व्राइबेंट् कलर , बगरू प्रिंट , सांगानेरी प्रिण्ट से बने परिधान रैंप शो केश किया !फैशन के मिश्रण के माध्यम से एथनिक और फ्यूजन वियर श्रेणी के तहत डिजाइनर अनारकली , कुर्तियों, प्लाजो सूट सेट, इण्डो वेस्ट्रन लहंगा, कुर्तीस ब्लाउज सेट आदि डिस्प्ले किये जायेगे।

पोस्टर विमोचन में गारमेंट क्लब के अध्यक्ष दीपक जैन , सेक्रेटरी अशोक गुप्ता ,भाजपा प्रदेश प्रभारी अशोक सैनी, शंकर जोशी ,सिद्धार्थ जैन,केशव शुक्ला,किशनचंद, आदि मौजूद रहे।

इस एग्जीबिशन में देश-भर के गारमेंट एजेंट्स भी शामिल है ,जयपुर के अनुभवी गारमेंट मैन्युफैक्चरर अपनी अपनी गारमेंट स्टॉल के माध्यम से अपना अपना कलेक्शन के माध्यम से बायर से ऑर्डर लिए जायेगे।

यहां इस ऐग्जीबिशन में नेपाल,यूएसए,लंदन,बंगलौर,हैदराबाद ,चेन्नई,अहमदाबाद,भोपाल,उड़ीसा, छत्तीसगढ़ ,दिल्ली, गोवा , रायपुर ,कोटा, भीलवाड़ा ,इन्दौर,आसाम , कलकत्ता आदि जगह से कस्टमर ने होलसेल में सभी मैन्युफैक्चर को ऑर्डर दिया जाएगा।

ये एक्ज़ीबिशन मैन्युफैक्चर टू होलसेलर के लिए रखा जाएगा। इस एक्ज़ीबिशन के माध्यम से सीतापुरा और मानसरोवर के टॉप 60 मैन्युफैक्चर को काफ़ी ऑर्डर मिलने की संभावना है। इस फेयर में अनुमानित 2000 होलसेलर कस्टमर आयेगे। इस एग्जीबिशन में कॉटन ,रेयोन, शिफ़ॉन,जोरजट,सिल्क से बने कुर्तिस, स्कर्ट, प्लाज़ो सेट, अनारकली, जम्पसूट्स इण्डियन एंड वेस्ट्रन परिधान डिस्प्ले किया जाएगा।

दिया कुमारी ने गुरु गोबिंद सिंह की ऐतिहासिक तलवार की पूजा-अर्चना की

जयपुर। सिक्खों के 10वें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर आज उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सिटी पैलेस के सर्वतोभद्र चौक में गुरु जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने जयपुर के सिटी पैलेस में विराजमान गुरु जी की ऐतिहासिक तलवार की भी पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा गुरु गोबिंद सिंह जी का त्याग, बलिदान और शौर्य की गाथा हम सबको सदैव प्रेरित करती रहेंगी। इसके बाद शबद कीर्तन का आयोजन किया गया।

गुरू गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर यह तलवार सिटी पैलेस के सर्वतोभद्र चौक में आगंतुकों, पर्यटकों और आमजन के दर्शन के लिए रखी गई है।

गौरतलब है कि गुरु गोबिंद सिंह ने कुछ समय नाहन (सिरमौर जिला, हिमाचल प्रदेश) में व्यतीत किया था। तब नाहन छोड़ते समय उन्होंने अपनी निजी तलवार तत्कालीन शासक को स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट की थी। राजमाता पद्मिनी देवी, जो कि नाहन से हैं, कुछ वर्ष पहले तलवार को जयपुर लेकर आई थीं।

सिक्खों के 10वें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर आज उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सिटी पैलेस के सर्वतोभद्र चौक में गुरु जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की।

भाजपा जयपुर शहर जिले के 13 मंडल अध्यक्ष घोषित

जयपुर। भाजपा के संगठन पर्व के तहत आज जयपुर शहर जिला के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के मंडल अध्यक्षों एव मंडल प्रतिनिधियों का निर्वाचन किया गया है। आमेर में मंडल अध्यक्षरामचंद्र सैनी, मंडल प्रतिनिधि रामजीलाल गुर्जर, जवाहर नगर में मंडल अध्यक्षओम हरजानी, मंडल प्रतिनिधि प्रमोद बंसल, सूरजपोल में मंडल अध्यक्ष विनय कुलवाल, मंडल प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह राजावत, पोण्डरिक मंडल अध्यक्षप्रेमचंद सैनी, मंडल प्रतिनिधि राममणि तिवारी, जोहरी बाजार मंडल अध्यक्षदीपक शर्मा, मंडल प्रतिनिधि श्याम गोडीवाल, मालवीय नगर मंडल अध्यक्षहरिश खाडिया, मंडल प्रतिनिधि अमिता शर्मा, महेश नगर में मंडल अध्यक्षदीनदयाल सैनी, मंडल प्रतिनिधि रेखा तिवाडी, राजापार्क मंडल अध्यक्षमोहित मूलचंदानी, मंडल प्रतिनिधि पूनम कल्ला, शास्त्री नगर मंडल अध्यक्षगजानंद योगी, मंडल प्रतिनिधि हर्षवर्धन शर्मा, प्रताप नगर मंडल अध्यक्षअजय पारीक को बनाया।

'साहित्य समाज को संवेदनशील बनाता है'

जयपुर। वरिष्ठ साहित्यकार फारूक आफरीदी ने कहा है कि साहित्य समाज को संवेदनशील और सहिष्णु बनाता है एवं सामाजिक बुराइयों के प्रतिकार के लिए प्रेरित करता है। वे "शब्द संसार" के तत्वावधान में प्राकृतिक योग आश्रम में वरिष्ठ लेखिका डॉ. सुषमा शर्मा की साहित्य समीक्षा की पुस्तक "कुछ कही, कुछ अनकही, अनसुनी" के लोकार्पण अवसर पर अध्यक्ष के रूप में बोल रहे थे। बहुभाषाविद डॉ, नरेन्द्र शर्मा कुसुम मुख्य अतिथि थे।

आफरीदी ने कहाकि साहित्य में आलोचना का विशेष महत्व है। इससे रचनाकार की कृति का सही मूल्यांकन होता पाठकों में अभिरुचि जगाता है। आलोचक की सही और निष्पक्ष समीक्षा लेखक के सृजन को मान्यता देती है। आज के लेखकों की प्रायोजित समीक्षाएं पाठकों का भरोसा तोड़ती हैं और यह साहित्य के साथ छल है।